ईद मिलादुन्नबी पर कसरावद में दिखी अकीदत की शानदार तस्वीर, हजारों लोगों ने निकाला शान-ए-जुलूस

'सरकार की आमद मरहबा' की सदाओं से गूंजा शहर, अमन-मोहब्बत और भाईचारे का दिया संदेश

कसरावद। कसरावद में ईद मिलादुन्नबी का मुबारक पर्व अकीदत, उत्साह और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यौमे पैदाइश की खुशी में शहर में भव्य शान-ए-जुलूस निकाला गया। जुलूस में हजारों की संख्या में समाजजनों ने शामिल होकर अपनी अकीदत का इजहार किया। इस्लामी परंपरा में ईद मिलादुन्नबी को पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत की खुशी के तौर पर मनाया जाता है। इस मौके पर लोग दरूद-ओ-सलाम पढ़ते हैं, सीरत-ए-पाक का जिक्र करते हैं और पैगंबर-ए-इस्लाम के बताए अमन, मोहब्बत, इंसानियत और भाईचारे के रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं।

कसरावद में शान-ए-जुलूस का आगाज शहर की गोसिया मस्जिद से हुआ। जुलूस विजय स्तंभ चौराहा, निमाड़ टॉकीज, मोहम्मदी मस्जिद, पुरानी तहसील, सनी चौपाटी, राम मंदिर चौक और सूफी मस्जिद मोहल्ले से होते हुए जामा मस्जिद पहुंचा। जुलूस के आगे और पीछे बड़ी संख्या में लोग दिखाई दिए। बच्चों में खासा उत्साह नजर आया, वहीं बुजुर्ग और युवा भी पूरे जोश के साथ जुलूस में शामिल रहे। रास्ते भर 'सरकार की आमद मरहबा', 'नारे-ए-तकबीर' और 'नारे-ए-रिसालत' की सदाएं गूंजती रहीं। जुलूस के स्वागत के लिए शहर में जगह-जगह इस्तकबालिया स्टॉल लगाए गए। सामाजिक

संगठनों और समाजजनों ने शरबत सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के जरिए जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया। नगर परिषद की ओर से भी जुलूस का इस्तकबाल किया गया। वहीं बोरा समाज ने शरबत वितरण के साथ स्वच्छता का संदेश भी दिया। समाजजनों ने स्टॉल लगाने के साथ जुलूस मार्ग पर साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। धार्मिक उत्सव के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की यह पहल लोगों के बीच चर्चा का विषय रही। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शहर में उत्साह के साथ रूहानी माहौल भी देखने को मिला। आयोजकों ने कहा कि हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का पूरा जीवन इंसानियत के लिए रहमत और मार्गदर्शन का पैगाम है। उन्होंने लोगों को मोहब्बत, सब्र, इंसाफ, पड़ोसियों के साथ अच्छा व्यवहार और जरूरतमंदों की मदद करने की सीख दी। जुलूस का समापन शहर की जामा मस्जिद में हुआ। यहां तकरीर के दौरान पैगंबर-ए-इस्लाम की सीरत और उनके बताए रास्ते पर रोशनी डाली गई। इसके बाद मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली, आपसी भाईचारे और पूरी इंसानियत की सलामती के लिए विशेष दुआ की गई। शान-ए-जुलूस में शहर सदर शेर खान अंसारी, मिलादुन्नबी जुलूस कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य, समाज के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

खरगोन नगर के आनंद नगर के कारूणिक बुद्ध विहार में सवारा जाता है देश का भविष्य!

खरगोन जिला मुख्यालय पर महा कारूणिक बुद्ध विहार में सवारा जाता है बच्चों, नवयुवकों एवं नवयुवतियो का भावी भविष्य ताकि वह आगे चलकर देश का नाम रोशन कर बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के अनुयायी होकर ईमानदारी के साथ देश की खूब सेवा कर सकें ! क्योंकि

डॉ.भीम राव अंबेडकर जी ने भी शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए कहा है कि हर समस्या का समाधान शिक्षा में ही निहित है ! और हर जंग शिक्षा के माध्यम से ही लड़ सकते हैं ! जंग जीत सकते हैं ! जीत निश्चित ही होगी ! शिक्षा को ही सर्वेसर्वा मानकर शिक्षा को मुद्दा बनाकर, बच्चे ही देश का भविष्य है ! खरगोन के आनंद नगर कालोनी के बुद्ध विहार में बच्चों, नवयुवकों एवं नवयुवतियो को स्कूल, कालेज से आने के बाद मे उनको आवश्यक रूप से पढ़ाया लिखाया जाता है ! उनको ट्यूशन मुफ्त में दी जाती है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कारवाई जाती हैं! परीक्षा ली जाती है! ताकि वह बड़े से बड़े पदो पर नियुक्त होकर देश और समाज की ईमानदारी के साथ सेवा कर सकें! यहां पर पढ़ाई के दौरान मोबाईल प्रतिबंधित कर रखा है क्योंकि पढ़ाई के दौरान मोबाईल अवरोध उत्पन्न करता है ! इसलिये अतिरिक्त हर रविवारी को बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के अनुयायियों का सुबह से ही बुद्ध विहार में आने के लिए ताता लगा रहता है ! सुबह तकरीबन 10 बजे तक खरगोन नगर एवं जिले के सभी लोग बाबा साहेब को मानने वाले जन इक्कठे होकर बाबा साहेब की प्रार्थना करते हैं, जन हित के कार्यो पर चर्चा करते हैं और रचनात्मक कार्य करते हैं! बुद्ध विहार में वर्षारोपण के कार्यो को भी तवज्जो दी जाती है! यहां पर प्रति रविवार को बच्चों एवं बाबा साहेब के अनुयायियों के लिये अनिवार्य रूप से नाश्ते की व्यवस्था की जाती हैं! यहां पर दूर दूर से बाबा साहेब को मानने वाले अनुयायियों का आना जाना लगा रहता है ! हर रोज भी यहां सभी आते जाते हैं! प्रार्थना हर रोज होती है ! इसलिये बुद्ध विहार की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई हैं ! मैं भी महा कारूणिक बुद्ध विहार से जुड़ा हुआ हूँ ! और इस समुदाय से बाबा साहेब के अनेकों अनुयायी भी जुड़े हुए है ! यहां की व्यवस्था मुख्य रूप से संजीव कुमार, पूनमचंद गांगले ठेकेदार, अजय गांगले, भरत गांगले, ओमप्रकाश गांगले, कमल गांगले एडवोकेट, सतीश गांगले पत्रकार, एवं कई अन्यों द्वारा संभाली हुई है ! देश के अन्य शहरों गांवों की तरह खरगोन जिले में भी बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के अनुयायी बहुतायत से है ! इसीलिये बाबा साहेब की ख्याति देश से लेकर विदेशों तक फैली हुई है

- डॉ. मदनलाल गांगले, सोशल वर्कर, जावरा, जिला- रतलाम

गंगा-जमुनी तहजीब की दिखी झलक

हजारों समाजजन हुए जुलूस में शामिल, सभी धर्मों के लोगों ने किया जुलूस का स्वागत

शाजापुर, निप्र। नगर में बुधवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का यौम-ए-पैदाइश जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूरी अकीदत, हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मुकद्दस मौके पर निकले विशाल जुलूस ने न केवल मुस्लिम समाज बल्कि पूरे शहर में खुशी की लहर दौड़ा दी। जुलूस में हजारों की तादाद में लोगों ने शिरकत की, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरा। इस दौरान नगर की फिजाओं में कौमी एकता, भाईचारे और सद्भावना की वो मिसाल देखने को मिली, जिसने इस साल के जुलूस को शहर के इतिहास में एक यादगार और ऐतिहासिक पल बना दिया। सीरत कमेटी सद्र हाजी नईम कुरैशी की सदारत में जुलूस संपन्न हुआ। शाही जामा मस्जिद में अकीदतमंदों का तांता लगना शुरू हो गया था। दिन की शुरुआत मुकद्दस कुरआन ख्वानी के साथ हुई, जहां देश और दुनिया में अमन-चैन, शांति और तरक्की की दुआएं मांगी गई। कुरआन ख्वानी के मुकम्मल होने के बाद समाजजन मस्जिद के बाहर जमा होने लगे। यहां से एक विशाल जुलूस का आगाज हुआ। जुलूस में शामिल बैंड की धुनों पर गूंजते नात-ए-पाक और कलाम ने पूरे माहौल को रूहानी और भक्तिमय बना दिया। लोग पूरे अदब और एहतराम के साथ नात शरीफ गुनगुनाते हुए आगे बढ़ रहे थे।

सभी धर्मों ने बिछाए पलक पांवड़े- इस जुलूस की सबसे खूबसूरत बात यह रही कि यह महज एक समुदाय का कार्यक्रम बनकर नहीं रहा, बल्कि पूरे नगर के लिए एक साझा उत्सव बन गया। जुलूस के मार्ग में शहरवासियों ने सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब की अद्भुत मिसाल पेश की। सीरत कमेटी के सद्र हाजी नईम कुरैशी व जुलूस का करणी सेना, आजाद समाज पार्टी, कांग्रेस पार्टी सहित अन्य संगठनों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। जुलूस में शामिल लोगों पर मंचों से फूलों की बारिश की गई। साथ ही जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा पानी व मिठाइयां बांटी गई।

नन्हे बच्चों का उत्साह और नौजवानों का जोश- जुलूस में युवाओं और बुजुर्गों के साथ-साथ छोटे बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। नन्हे-मुन्ने बच्चे नए और आकर्षक लिबास पहनकर हाथों में इस्लामी झंडे लिए बाइकों पर अपने पिताओं और बड़े भाइयों के साथ शान से बैठे नजर आए। बच्चों के चेहरों की मासूमियत और खुशी इस पर्व की रूह को दर्शा रही थी। रास्ते भर में जगह-जगह बच्चों के लिए स्टॉल बनाए थे, जहां उन्हें चॉकलेट, टॉफियां, बिस्किट और अन्य खाद्य पदार्थ बांटे जा रहे थे। इससे बच्चों का उत्साह दोगुना हो गया था।

बुराइयों से दूर रहने और नशामुक्ति का दिया पैगाम- यह जुलूस सिर्फ जश्न का जरिया नहीं था, बल्कि समाज सुधार का एक बड़ा मंच भी साबित हुआ। जुलूस के सबसे आगे एक विशेष रूप से सजाया गया रथ चल रहा था। इस रथ पर बैनर और पोस्टर लगाए गए थे, जिनके माध्यम से पैगंबर मोहम्मद साहब के उन पैगामों को जन-जन तक पहुंचाया गया, जिनमें समाज को नशामुक्ति, जुए, और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की हिदायत दी गई है। मिसाल समानता के लिए सद्र ने नहीं पहना साफा जुलूस के दौरान नेतृत्व की एक बहुत ही सादगी भरी और प्रेरणादायक मिसाल भी देखने को मिली। जगह-जगह जुलूस का इस्तकबाल किया जा रहा था। इसी कड़ी में सीरत कमेटी के सद्र हाजी नईम कुरैशी का कई स्थानों पर इस्तकबाल किया गया। कुरैशी मोहल्ला में सद्र हाजी नईम कुरैशी को फलों से तौला गया। लेकिन हाजी नईम कुरैशी ने इस दौरान समानता और सादगी का एक बड़ा संदेश दिया। उन्होंने शाही जामा मस्जिद में केवल औपचारिकता के लिए साफा रस्म अदा की, लेकिन इसके बाद पूरे जुलूस के दौरान वे बिना साफे के नजर आए। उनका यह कदम इस बात का प्रतीक था कि इस्लाम में सभी इंसान बराबर हैं, कोई छोटा या बड़ा नहीं है। सद्र होने के बावजूद उन्होंने खुद को आम अवाम के बराबर रखा, जिसकी पूरे शहर में जमकर तारीफ की जा रही है।

शांति और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम- इतने बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में स्थानीय प्रशासन और पुलिस की भूमिका भी काबिले तारीफ रही। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात था और प्रशासन के आला अधिकारी लगातार जुलूस की निगरानी कर रहे थे। कमेटी द्वारा बनाए गए 250 से अधिक वालेंटियर भी व्यवस्था देख रहे थे। जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से अपने गंतव्य पर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में काजी एहसान उल्ला, शहर काजी रहमत उल्ला, मोहर्रम कमेटी सद्र इमरान खरखरे, शेख शमीम शम्म भाई, मिर्जा सलीम बेग, असलम शाह, वरिष्ठ नायब सदर हाजी एज़ाज बबलू कुरैशी, खजांची जुनैद अहमद मंसूरी, सेक्रेट्री अब्दुल शेरू, जनरल सेक्रेट्री निसार अहमद, मीडिया प्रभारी अनीस खान सहित समाज मौजूद थे।

शराब पकड़वाने का आरोप लगाकर महिला के घर में घुसे, मारपीट-धमकी

खंडवा। ग्राम हापला में शराब बंद कराने और शराब पकड़वाने का आरोप लगाकर एक महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। फरियादिया राधाबाई पति मुकेश मासरे, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम हापला ने पुलिस को बताया कि मंजू बाई, रेवा बाई, सोनू और अनिल ने उससे कहा कि वह उनकी शराब पकड़वाती है और शराब बंद करवाना चाहती है। आरोपियों ने उससे रुपये देने की मांग करते हुए गाली-गलौज की। फरियादिया जब अपने घर के अंदर चली गई तो आरोपी कथित रूप से घर में घुस आए और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। मामले में कोतवाली पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

तेज रफ्तार ट्राले ने कार को मारी टक्कर, वाहन क्षतिग्रस्त

खंडवा। अग्रसेन चौराहे के पास बस स्टेशन क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्राले ने एक कार को टक्कर मार दी। घटना 25 अगस्त की रात करीब 10.30 बजे की है। पुलिस के अनुसार ट्राला क्रमांक ऋ्ष 01 त्नक्क 3233 के चालक ने वाहन को तेज गति एवं लापरवाही से चलाते हुए फरियादी की कार को ड्राइवर साइड से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के ड्राइवर साइड के दोनों गेट दब गए और साइड ग्लास टूट गया। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस ने ट्राला चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

ओंकारेश्वर में 10 लीटर कच्ची शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

खंडवा। मांधाता थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ओंकारेश्वर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित टेचिंग ग्राउंड रोड से एक व्यक्ति को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ा। पुलिस के अनुसार आरोपी धर्मेन्द्र पिता दंदू दांगोडे, उम्र 36 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 1 ओंकारेश्वर, अवैध रूप से शराब लेकर जा रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब एक हजार रुपये कीमत की 10 लीटर कच्ची शराब जब्त की। मामले में आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

गोविंदम रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ, 24 घंटे मिलेगी शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा

बलवाड़ा। इंदौर-इच्छापुर रोड स्थित कुरावद में गोविंदम रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। रेस्टोरेंट के संचालक अनिल प्रजापत ने बताया कि यहां ग्राहकों को 24 घंटे शुद्ध शाकाहारी भोजन एवं स्वादिष्ट नाश्ता उपलब्ध कराया जाएगा।

शुभारंभ अवसर पर भेरूलाल जी प्रजापत एवं बलराम पटेल ने फीता काटकर रेस्टोरेंट का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में

लोग उपस्थित रहे और संचालक अनिल प्रजापत को नए प्रतिष्ठान के लिए शुभकामनाएं दीं। इंदौर-इच्छापुर रोड पर स्थित गोविंदम रेस्टोरेंट में यात्रियों, वाहन चालकों एवं क्षेत्रवासियों के लिए 24 घंटे शुद्ध शाकाहारी भोजन, नाश्ता और खान-पान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। रेस्टोरेंट के शुरू होने से रात-दिन यात्रा करने वाले लोगों को भी भोजन की सुविधा मिल सकेगी। संचालक अनिल प्रजापत ने बताया कि ग्राहकों को स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण भोजन और बेहतर सेवा उपलब्ध कराने का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

राजराजेश्वरी मंदिर मोरटक्का पहुंचे सीएम

मोरटक्का। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मोरटक्का स्थित प्रसिद्ध राजराजेश्वरी मंदिर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सपत्नीक मां राजराजेश्वरी के दर्शन कर विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर उत्साह देखने

को मिला। मुख्यमंत्री ने धार्मिक आस्था के साथ मां राजराजेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मां राजराजेश्वरी से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की गई।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटील और विधायक मंजू दादू के नेतृत्व में निकली भव्य यात्रा, 14 गांवों में हुआ जोरदार स्वागत

गांव-गांव गूंजा संत रविदास का संदेश, कलश वंदन यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

बुरहानपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में निकली कलश वंदन यात्रा ने सामाजिक एकता और समरसता का प्रभावी संदेश दिया। सांसद ज्ञानेश्वर पाटील एवं विधायक मंजू राजेंद्र दादू के नेतृत्व में निकली यात्रा जहां.जहां पहुंचीए वहां ग्रामीणों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ स्वागत कर संत रविदास जी को नमन किया। ग्राम जैनाबाद से सुबह प्रारंभ हुई यात्रा खड़कोद, दर्यापुर, बड़गांव, गुलई, सिंधखेड़ा कलां, सिरपुर,तलावड़ी, बलवाड़ा, डोईफोडिया,कारखेड़ा, धाबा खकनार एवं निमंदड़ होते हुए शाम को ग्राम शेखापुर पहुंची। यात्रा के दौरान गांव.गांव में कलश वंदन, पुष्पवर्षा और स्वागत के साथ सामाजिक समरसता का संकल्प लिया गया।

संत रविदास के संदेश से जुड़ा जन.जन- कलश वंदन यात्रा के दौरान ग्रामीणों,श्रद्धालुओं और भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। विभिन्न ग्रामों में लोगों ने यात्रा का आत्मीय स्वागत किया। यात्रा का वातावरण धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता के संदेश से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटील एवं विधायक मंजू दादू ने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से समाज को समानताए मानवता और भाईचारे का मार्ग दिखाया। उनका संदेश आज भी समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होने की प्रेरणा देता है। समरसता संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर सामाजिक एकता और समरसता को मजबूत करना है। यात्रा के सफल आयोजन में यात्रा जिला प्रभारी एवं जिला महामंत्री ईश्वर चौहान,महामंत्री संजय जाधव सहित जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके साथ पार्टी के जिला पदाधिकारियोंए मंडल पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर व्यवस्थाओं को संभाला।

शेखापुर में रात्रि विश्राम, गुरुवार को धुलकोट में होगा यात्रा का समापन- भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.मनोज माने ने बताया कि दो दिवसीय कलश वंदन यात्रा का प्रथम चरण बुधवार को शेखापुर पहुंचकर संपन्न हुआ। जहां यात्रा का रात्रि विश्राम रहेगा। गुरुवार को सुबह 9.30 बजे शेखापुर से दूसरे चरण की यात्रा प्रारंभ होगी। इसके बाद यात्रा नावरा,डाबियाखेड़ा, नेपानगर,सीता नहानी और ग्राम असीरगढ़ स्थित शिव मंदिर होते हुए शाम 5 बजे ग्राम धुलकोट पहुंचेगी। जहां दो दिवसीय यात्रा का समापन होगा। यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेता गोकुल प्रजापति,जिला पंचायत सदस्य अनिल राठोड़, जनपद पंचायत खकनार अध्यक्ष आरती निलेश चौकसे, जनपद पंचायत बुरहानपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप पाटील,भाजपा युवा नेता गजेंद्र पाटील,मंडल अध्यक्ष गणेश पाटील,संदीप परिहार, महेंद्र जोगी जिला एवं मंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, अजा मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, वरिष्ठजन, समाजजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए।